## SUNBURY

H. B. MASSER, EDITOR AND PROPRIETOR.

|  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  | 1 STRIVG OF |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | . |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | with a hearty laugh, at this retort. "Upon my word, Mr. Worthen, you appear to <br> my word, Mr. Worthen, you appear to know the boy better than I do!, |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | entirely left alone, and without advice, every step which he adranced involved him more |  |  |
|  |  |  |  | ame |  |  |
| noctor i. W. He |  |  |  | tians which, at the time, he belfeved to be correct ; but many of which trimed ont, in |  |  |
|  |  |  |  | by his two confident reliance in anticipated aid, to make promises which he fully expec- |  |  |
|  |  |  |  | 为 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | A 5slect © anle. |  |  |  |  |  |
|  |  There lived in Lancaster, England, someyears ago, a thrifty gilder, who had an an- |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | The embarrassments here referred towere followed by a long and well nigh fatal illness |  |  |
|  |  |  |  | which, withdrawing him entirely from the business which he had carried on alone, was |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | easily bear the appearance of intentional misrepresentations. In connection with the assignment of his property, he set his name |  |  |
|  |  |  |  | assignment of his property, he set his name and cath to an inventory of his goods, and also to a list of his debts, which he believed |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ${ }_{\substack{\text { dinem }}}^{\text {thimed }}$ | his perplexitier, smarting under his heavy disappointments, and wonnded by the impu- |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | dilus top was woped win the rand |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | lets, part of which he does not now justify, and expressions in which, in regard to those |  |  |
|  |  |  |  | Somele | - |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | , |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | No useless garment confined onr breast, But in simple night dress and slippers, We wandered <br> We wandered about like apirits disperssel |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Toass.-At the great "vegetarian ban- net," which concluded the proceedings of he Tempetance, Abolition ant Womanin |  |
|  |  |  |  |  | Rights Convent on, held in New Yo'k hist week, the following sentiment is said to bave |  |
|  |  |  |  |  | Nomem |  |
|  |  |  | And thought how we had been bit, wh! We thought as we rose from our restless bed, And relinquished our pleasant pillow. |  |  |  |
|  |  |  | And relinquished our pleasant pillow. That we would not get in again, until he was dead <br> And we secured from his bill, ob | . | A Minacior Erit-A yomes man ins. |  |
|  |  |  | And we secured from his bill, on!But half an hour seemed to elapse,Ere we met with the wreteh that had bit |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

